RNI No. MPHIN/2015/64451 डाक पंजीयन क्र. MP/IDC/1525/2019-2021 IPT डाक द्वारा प्रेषण प्रति शुक्रवार indianplasttimes@gmail.com

www.Indianplasttimes.in

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 20 OCTOBER TO 26 OCTOBER 2021 ■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 8 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

Inside News

100 रुपए से नीचे आ सकती है पेट्रोल की कीमत, डीजल रेट में बड़े रद्दोबदल की उम्मीद : सूत्र Page 2

देश के 1.60 लाख ईंट निर्माण उद्योग पर जीएसटी और कोयले का संकट Page 3

महिंद्रा ने ट्रैक्टर्स की युवो टेक + रेंज लॉन्च की Page 7

editoria!

उत्साहजनक सुधार

त्योहारी मौसम में अर्थव्यवस्था के आंकड़ों में उत्साहजनक सुधार दिख रहा है. शेयर बाजार में तेजी, निर्यात में बढ़त, कर राजस्व में वृद्धि, बढ़ते औद्योगिक उत्पादन, महंगाई पर नियंत्रण और बैंकों पर फंसे कर्ज के हल्के होते बोझ के साथ-साथ कॉरपोरेट मुनाफे तथा यूनिकॉर्न में वृद्धि से अर्थव्यवस्था में एक सकारात्मक माहौल बना है. इन्हीं वजहों से वित्त मंत्री तीव्र विकास और दोहरे अंकों में वृद्धि का अनुमान जता रही हैं. महामारी से उबर कर उपभोक्ता मांग में सुधार हुआ है. वहीं खरीफ के बेहतर उत्पादन, विनिर्माण कार्यों और सेवा क्षेत्र में सुधार से उम्मीदें बढ़ी हैं. खाद्यान्न कीमतों में नरमी और 2022 में हेडलाइन मुद्रास्फीति के 5.3 प्रतिशत तक लक्ष्य के करीब रहने से अनुकूल परिस्थितियां बनेंगी. हालांकि, वैश्विक अनिश्चितता, वैश्विक महंगाई के खतरों के प्रति पूरी तरह आश्वस्त नहीं हुआ जा सकता. हाल में जारी भारतीय रिजर्व बैंक के आर्थिक गतिविधि सूचकांक के अनुसार, जुलाई-सितंबर, 2021 में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 9.6 प्रतिशत रही. साल 2021-22 में खरीफ उत्पादन का नया कीर्तिमान बन सकता है, वहीं औद्योगिक उत्पादन 2019 के स्तर पर पहुंच गया है. घरेलू और बाह्य मांग में मजबूती से वस्तुगत और सॉफ्टवेयर निर्यात भी बढ़ा है. प्रधानमंत्री ने दावा किया था कि उनकी सरकार जिस सक्रियता से जुटी है, वह अभूतपूर्व है. बीते छह महीनों में यह दिखा भी है. गति शक्ति, संपत्ति मुद्रीकरण, एयर इंडिया की बिक्री, दूरसंचार में सुधार, इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा, महत्वाकांक्षी नवीकरणीय ऊर्जा लक्ष्य, पूर्वप्रभावी कराधान में बदलाव और चुनिंदा उद्योगों के लिए उत्पादकता को बढ़ावा देने जैसी घोषणाएं ध्यातव्य हैं. हालांकि, जरूरी नहीं कि सभी सरकारी योजनाएं कामयाबी के अंजाम तक पहुंचे, क्योंकि बीच में उन्हें नीतिगत कमजोरियों के मोर्चों से गुजरना है. दूसरा, आर्थिक गतिविधियों की तुलना 2020 के गिरावट वाले दौर से होने के कारण आंकड़े आकर्षक प्रतीत हो रहे हैं. भले ही 2021 के बाद 2022 में भी तेज वृद्धि का दावा किया जा रहा हो, लेकिन बीते चार वर्ष में औसत जीडीपी वृद्धि दर देखें, तो यह वैश्विक 2.6 प्रतिशत के सापेक्ष 3.7 प्रतिशत से अधिक नहीं है. हालांकि, मौजूदा सकारात्मक रुख विकास गति में निरंतरता बनाने में सहायक होगा. इससे खपत पर खर्च बढ़ाने और कंपनियों को निवेश के लिए प्रोत्साहन मिलेगा. शुरुआती धीमेपन के बाद टीकाकरण कार्यक्रम सफलता की ओर बढ़ रहा है. भले ही तीसरी लहर को पूरी तरह से खारिज नहीं किया जा सकता है, लेकिन यह तय होता जा रहा है कि अब संक्रमण पूर्व की भांति खतरनाक नहीं होगा. अर्थव्यवस्था के बड़े संकेतकों को बेहतर होने में अभी समय लगेगा. अर्थव्यवस्था में बड़े निवेश की कमी, केंद्र और राज्यों का राजकोषीय घाटा, ऋण-जीडीपी का बड़ा अनुपात जैसी चिंताएं हैं. लेकिन, वर्तमान में ऊर्जा और आशावाद निश्चित ही आर्थिक वृद्धि के लिए सकारात्मक परिस्थितियों का निर्माण करने में सहायक होंगे.

भारत ने ओपेक से कहा, तेल की ऊंची कीमतें वैश्विक अर्थव्यवस्था में रुकावट

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत ने कच्चे तेल की लगातार बढ़ती कीमतों पर ओपेक व सहयोगी देशों को आगाह किया है। भारत ने सोमवार को कहा कि महंगे पेट्रोल-डीजल के दबाव से उबरने के लिए हम वैकल्पिक ईंधन पर जोर देंगे। इसका नुकसान तेल उत्पादक देशों को भी होगा। उन्हें अपने उपभोक्ताओं की स्थिति समझ उत्पादन बढ़ाकर कीमतों पर लगाम कसनी होगी।

पेट्रोलियम मंत्रालय के शीर्ष अधिकारी ने कहा कि अप्रैल, 2020 में जब मांग रिकॉर्ड निचले स्तर पर कीमतें 19 डॉलर तक चली गई थी, तब तेल निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) व रूस सहित अन्य सहयोगी देशों ने उत्पादन घटा दिया था। अब दुनियाभर में ईंधन की मांग तेजी से बढ़ रही है। बावजूद इसके ओपेक व सहयोगी देश उत्पादन नहीं बढ़ा रहे, जिससे सोमवार को ब्रेंट क्रूड 85.67 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया।

वैकल्पिक ईंधन पर जोर बढ़ाया तो ओपेक को ही नुकसान

यह भारत जैसे बड़े आयातक देशों के आर्थिक सुधारों को बुरी तरह प्रभावित कर रहा है। हम अपनी कुल जरूरत का 85 फीसदी तेल आयात करते हैं, जिसमें से 65 फीसदी तेल पश्चिम एशियाई देशों से आता है। अगर हमने वैकल्पिक ईंधन पर जोर देना शुरू किया, तो इसका नुकसान ओपेक व अन्य उत्पादक देशों को भी उठाना पड़ेगा।

ज्यादा आपूर्ति व भुगतान समय बढ़ाने की मांग

भारत ने सिर्फ कीमतों पर विचार का सुझाव नहीं दिया, बल्कि ज्यादा आपूर्ति व भुगतान समय बढ़ाने की भी मांग की है। अभी सरकारी तेल

कंपनियों को सालाना तय मात्रा में ही क्रूड का निर्यात किया जाता है। सऊदी अरब व इराक जैसे देश भुगतान के लिए भी 30 दिन का समय देते हैं। भारत ने कहा है कि प्रतिबंधों से पहले ईरान 90 दिन का समय देता था, लिहाजा अन्य उत्पादक देशों को भी भुगतान समय बढ़ाना होगा। इस हफ्ते होने वाले इंडिया एनर्जी फोरम में भारत एक बार फिर महंगे तेल का मुद्दा उठाएगा।

ओपेक की मजबूरी, चाहकर भी नहीं बढ़ा पा रहे उत्पादन

ओपेक व सहयोगी देशों के संगठन ने कहा है कि हमने उत्पादन में कटौती को 115 फीसदी घटा दिया है और अक्तूबर व नवंबर में चार लाख बैरल प्रतिदिन का उत्पादन बढ़ाने की कोशिश भी कर रहे हैं। बावजूद इसके निवेश की कमी व मरम्मत कार्यों की वजह से अंगोला, नाइजीरिया जैसे देश उत्पादन नहीं बढ़ा पा रहे। इस कारण तय लक्ष्य को पाना मुश्किल हो रहा। सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अबदुलाजीज बिन सलमान ने कहा, हम उत्पादन बढ़ाने की लगातार कोशिश कर रहे हैं।

कोरोना महामारी के चलते गिरे थे दाम

अंतरराष्ट्रीय तेल की कीमतें पिछले साल अप्रैल में 19 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल तक गिर गई थीं, क्योंकि अधिकांश देशों ने कोरोना संक्रमण को नियंत्रित करने के लिए लॉकडाउन लगाया था। इस साल मांग में सुधार हुआ है क्योंकि संक्रमण के खिलाफ टीकाकरण ने दुनिया भर की अर्थव्यवस्थाओं को दोबारा पटरी पर लाने का काम किया है। अंतरराष्ट्रीय बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड तब से बढ़कर 85.67 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। अधिकारी ने कहा कि तेल मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने हाल के हफ्तों में सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कतर, अमेरिका, रूस और बहरीन से तेल की ऊंची कीमतों के मुद्दे पर बात की है। पुरी ने ओपेक के महासचिव और सऊदी अरब व अन्य देशों में अपने समकक्षों के साथ अपनी बैठकों में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव पर भारत की गंभीर चिंताओं को सामने रखा।

बैंकों का कुल फंसा कर्ज चालू वित्त वर्ष के अंत तक घटकर 6.9 प्रतिशत पर आने का अनुमान : रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

बैंकों की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) यानी कुल फंसा कर्ज और शुद्ध एनपीए मार्च, 2022 के अंत तक घटकर क्रमशः 6.9-7 प्रतिशत और 2.2 से 2.3 प्रतिशत तक आने का अनुमान है। मार्च 2021 को समाप्त वित्त वर्ष में यह क्रमशः 7.6 प्रतिशत और 2.5 प्रतिशत था। रेटिंग एजेंसी इक्रा की एक रिपोर्ट में यह अनुमान लगाया गया है।क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ने कहा, 'सकल एनपीए और शुद्ध एनपीए के मार्च, 2022 तक घटकर 6.9-7 प्रतिशत और 2.2-2.3 प्रतिशत तक आने उम्मीद है। इससे बैंकों के मुनाफे के मोर्चे पर कुछ राहत मिल सकेगी।'' रेटिंग एजेंसी ने कहा कि कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर के दौरान किसी नियामकीय राहत के अभाव में नए एनपीए का सृजन उच्चस्तर पर बना रहा। अप्रैल-जून तिमाही के दौरान नया एनपीए एक लाख करोड़ रुपये (सालाना आधार पर 4.1 प्रतिशत की दर) रहा। वहीं इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2.5 लाख करोड़ रुपये या 2.7 प्रतिशत रहा था। इक्रा का अनुमान हे कि चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में यह 70,000 से 80,000 करोड़ रुपये या 2.8 से 3.2 प्रतिशत रहेगा। हालांकि, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही के दौरान इसके घटकर 1.1-1.2 लाख करोड़ रुपये या 2-2.4 प्रतिशत रह जाने का अनुमान है।

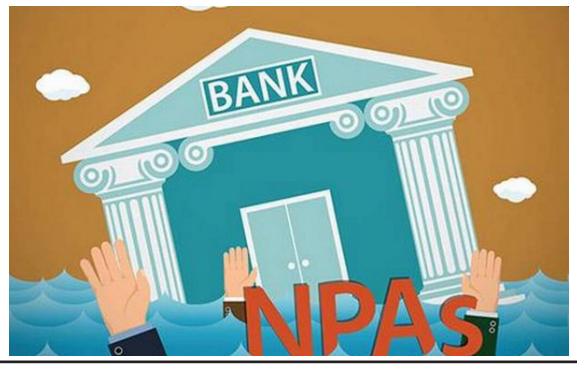

100 रुपए से नीचे आ सकती है पेट्रोल की कीमत, डीजल रेट में बड़े रद्दोबदल की उम्मीद : सूत्र

नई दिल्ली। एजेंसी

दिपावली में उपभोक्ता ऑटो ईंधन की बढ़ती कीमत से राहत की उम्मीद कर सकते हैं, क्योंकि सरकार पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती का विकल्प चुन सकती है। यह कटौती महामारी फैलने के बाद पहली बार हो सकती है। सरकार का लक्ष्य कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों को सामान्य रूप से उपयोग किए जाने वाले इन दो उत्पादों के खुदरा मूल्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालने से रोकना है। पेट्रोल और डीजल की कीमतें पहले ही देशभर में ऐतिहासिक उच्च स्तर पर पहुंच चुकी हैं और पिछले एक महीने में अधिकांश दिनों में बढ़ी हैं, जिससे उपभोक्ताओं की जेब में एक बड़ा छेद हो गया है।

सूत्रों ने कहा कि ऑटो ईंधन की कीमतों में और बढ़ोतरी को रोकने के लिए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 2-3 रुपये प्रति लीटर की कटौती की घोषणा की जा सकती है। पेट्रोल की कीमतों में 1 जनवरी से 30 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के साथ डीजल की कीमतों में 26 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी के साथ ईंधन की बढ़ती कीमतों का खामियाजा भुगतने वाले उपभोक्ताओं के लिए उत्सव को मीठा बनाने के लिए दिवाली से पहले घोषणा की जा सकती है।

सूत्र ने कहा, दो पेट्रोलियम उत्पादों पर शुल्क में संशोधन पर विचार करने के प्रस्ताव पर नए सिरे से चर्चा की गई है। हालांकि अभी कुछ भी अंतिम रूप नहीं दिया गया है, लेकिन जल्द ही इस पर फैसला होने की उम्मीद है।

यदि लागू किया जाता है, तो दो उत्पादों पर उत्पाद शुल्क में 2 रुपये प्रति लीटर की कटौती का पूरे साल के राजस्व में प्रभाव 25,000 करोड़ रुपये से अधिक होगा। कोई भी अधिक कटौती, वार्षिक राजस्व प्रभाव को 36,000 करोड़ रुपये से अधिक तक ले जा सकती है। हालांकि, चूंकि चालू वित्तवर्ष (21-22) का आधे से अधिक समय समाप्त हो चुका है, इसलिए छोड़ा गया राजस्व बहुत कम हो सकता है।

उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद शुल्क में 3 रुपये की कटौती पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में बड़ी कटौती में तब्दील हो सकती है, क्योंकि तेल कंपनियां कीमतों में कटौती का कुछ बोझ भी उठा सकती हैं। सूत्रों ने कहा, राज्यों को ईंधन की कीमतों पर वैट कटौती पर विचार करने के लिए भी कहा जा रहा है, ताकि खुदरा दरों को 100 रुपये प्रति लीटर से नीचे लाने में मदद मिल सके। दिल्ली में अभी पेट्रोल की कीमत 105.84 रुपये प्रति लीटर है, जबकि डीजल की कीमत 94.57 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई और देश के कई अन्य स्थानों पर भी डीजल की कीमतें 100 रुपये प्रति लीटर से ऊपर पहुंच गई हैं। लेकिन बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमतें अब तीन साल के उच्च स्तर 85 डॉलर प्रति बैरल के करीब पहुंच रही हैं और उम्मीद है कि उत्पादन में कटौती को धीरे-धीरे कम करने के ओपेक के पहले से घोषित फैसले और महामारी की ताजा लहर के बाद वैश्विक स्तर पर बढ़ती मांग के चलते आर्थिक गतिविधियों में तेजी आने की उम्मीद है।

कच्चे तेल की भारतीय टोकरी, भारतीय रिफाइनरियों में संसाधित कच्चे तेल के खट्टे ग्रेड (ओमान और दुबई औसत) और मीठे ग्रेड (ब्रेंट डेटेड) से युक्त एक व्युत्पन्न टोकरी भी पिछले कुछ हफ्तों में लगातार बढ़ी है और औसतन 73.13 डॉलर तक पहुंच गई है। सितंबर में बैरल अगस्त में 69.80 डॉलर प्रति बैरल था। यह वित्त मंत्रालय के आराम स्तर से काफी ऊपर है।

सूत्रों ने कहा कि सरकार के पास पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में कटौती करने के लिए पर्याप्त जगह है, क्योंकि आईसीआईसीआई सिक्योरिटीज की एक पूर्व रिपोर्ट में सुझाव दिया गया था कि दो ईंधनों पर कर से राजस्व के लिए सरकार के लक्ष्य को प्रभावित किए बिना उत्पाद शुल्क में 8.5 रुपये प्रति लीटर की कटौती की जा सकती है।

शुल्क में कटौती के बिना, सरकार को ऑटो ईंधन से 4.3 लाख करोड़ रुपये से अधिक एकत्र करने की उम्मीद है - 3.2 लाख करोड़ रुपये के बजट अनुमान से बहुत अधिक। वित्तवर्ष 2011 में भी सरकारी खजाने में पेट्रोलियम क्षेत्र का योगदान 4 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा। ऐसा इसलिए है, क्योंकि मार्च से मई, 2020 के बीच पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में 13 रुपये और 16 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी और अब यह डीजल पर 31.8 रुपये और पेट्रोल पर 32.9 रुपये प्रति लीटर है।

उत्पाद शुल्क में वृद्धि अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में दो दशक के निचले स्तर तक गिरने से होने वाले लाभ को कम करने के लिए थी। वास्तव में, अतिरिक्त उत्पाद शुल्क आय का एक बड़ा हिस्सा सरकार द्वारा घोषित कोविड राहत उपायों के लिए इस्तेमाल किया गया था। लेकिन अब सोच यह है कि प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से कर राजस्व में तेजी से पुनरुद्धार मोड पर अर्थव्यवस्था के साथ उछाल दिखा रहा है, आम आदमी के हित में कर्तव्यों में कुछ संशोधन किया जा सकता है।

दो दिन की स्थिरता के बाद फिर बढे पेट्रोल-डीजल के दाम

नई दिल्ली। एजेंसी

घरेलू बाजार में दो दिनों की स्थिरता के बाद फिर पेट्रोल डीजल बाजार में तेजी आई। इससे पहले दो दिनों तक पेट्रोल और डीजल के ग्राहकों ने दाम में बढ़ोतरी नहीं होने के कारण चैन की सांस ली थी। पिछले सप्ताह में भी देखें तो दो दिन को छोड़ कर अन्य दिन पेट्रोल-डीजल में हर रोज आग लगी। सरकारी तेल कंपनियों ने फिर दोनों ईंधन के दाम बढ़ा दिए। दिल्ली के बाजार में बुधवार को इंडियन ऑयल के पंप पर पेट्रोल प्रति लीटर 35 पैसे महंगा हो कर 106.19 रुपये पर पहुंच गया। डीजल भी हर लीटर पर 35 पैसे महंगा हो कर 94.92 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया।

बीते 17 दिनों में 5.00 रुपये महंगा हो चुका है पेट्रोल

पिछले महीने की 28 तारीख को पेट्रोल जहां 20 पैसे महंगा हुआ था वहीं डीजल भी 25 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ था। दरअसल, पिछले महीने के अंतिम दिनों से जो पेट्रोल की कीमतें बढ़नी शुरू हुई, वह आज भी जारी है। हां, बीच में कुछ दिनों के लिए भी इसे जरूर विराम मिला। वैसे भी, इस समय कच्चे तेल की कीमतें 85 डॉलर के पार है। इसलिए सभी पेट्रोलियम पदार्थ महंगे हो रहे हैं। पेट्रोल की कीमतों में देखें तो बीते 17 दिनों में ही यह 5.00 रुपये प्रति लीटर महंगा हो चुका है।

10 दिनों में 6.30 रुपये महंगा हुआ डीजल

पेट्रोल के मुकाबले डीजल का बाजार ज्यादा तेज हुआ है। कारोबारी लिहाज से देखें तो पेट्रोल के

मुकाबले डीजल बनाना महंगा पड़ता है। लेकिन भारत में खुले बाजार में पेट्रोल महंगा बिकता है और डीजल सस्ता बिकता है। बीते 24 सितंबर से जो डीजल में आग लगनी शुरू हुई वह आज भी नहीं रूकी। हालांकि, बीच में कुछ दिनों इसमें विराम भी रहा। इस दौरान पेट्रोल के मुकाबले डीजल ज्यादा महंगा हुआ है। बीते 20 दिनों में ही यह 6.30 रुपये प्रति लीटर महंगा हो गया है।

कच्चे तेल की कीमत 85 डॉलर के पार

कच्चे तेल के बाजार में राहत के आसार नहीं दिख रहे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड सोमवार को 86 डॉलर के भी पार चला गया था। यह अक्टूबर 2018 के बाद का उच्चतम स्तर है। उस दिन डब्ल्यूटीआई क्रूड भी 83.73 डॉलर प्रति बैरल तक चला गया था। यह अक्टूबर 2014 के बाद का उच्चतम स्तर था। हालांकि, कारोबार बंद होते समय यह कम हुआ। कल भी कच्चे तेल का दाम में तेजी ही दिखी। अमेरिकी बाजार में कल ब्रेंट क्रूड जहां 0.75 डॉलर बढ़ कर 85.08 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ वहीं डब्ल्यूटीआई क्रूड 0.52 डॉलर की तेजी के साथ 82.96 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

क्रूड ऑयल.. बैरल..

यहां जानिए कच्चे तेल का गणित, समझिए कीमत का कैल्कुलेशन

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत में डीजल-पेट्रोल की कीमतें आसमान छू रही हैं। हर कोई महंगे डीजल-पेट्रोल की मार झेल रहा है। वहीं सरकार का सीधा सा तर्क है कि कीमतें बढ़ने की वजह है कच्चा तेल, जो अंतरराष्ट्रीय बाजार में महंगा होता जा रहा है। पिछला हफ्ता लगातार छठा हफ्ता था, जब कच्चा तेल अंतरराष्ट्रीय बाजार में चढ़कर बंद हुआ। ये तो लगभग सभी लोग जानते हैं कच्चे तेल से ही डीजल-पेट्रोल बनता है, लेकिन कच्चे तेल का पूरा गणित कुछ ही लोगों को पता है। आइए जानते हैं इसके बारे में सब कुछ।

अमेरिकी बाजार में पिछले हफ्ते शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड के मुकाबले 0.86 डॉलर चढ़ कर 84.86 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया। डब्ल्यूटीआई क्रूड में भी 0.97 डॉलर की तेजी दिखी, जो 1.17 फीसदी की बढ़ोतरी है। कारोबार बंद होते समय यह 82.28 डॉलर प्रति बैरल पर सेटल हुआ था। अब कच्चे तेल का भाव पता तो चल गया, लेकिन समझ बहुत ही कम लोगों को आया होगा। चलिए इसे और आसान बनाते हैं।

1 बैरल में होते हैं करीब 159 लीटर

अगर बात एक बैरल की करें तो इसमें 158.987 लीटर यानी करीब 159 लीटर तेल होता है। यानी अंतराष्ट्रीय बाजार के हिसाब से 1 लीटर ब्रेंट क्रूड करीब 40 रुपये का और 1 लीटर डब्ल्यूटीआई क्रूड 38.80 रुपये का मिलेगा। यहां एक बात ध्यान रखने की है कि भारत में अधिकतर कच्चा तेल आयात किया जाता है। इसी

वजह से कच्चे तेल की कीमत को अधिकतर लोग डॉलर में ही आंकते हैं।

MCX पर रुपये में होती है कच्चे तेल की ट्रेडिंग

भारत में कमोडिटी स्टॉक एक्सचेंज एमसीएक्स (मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज) पर कच्चे तेल की ट्रेडिंग रुपये में होती है। ऐसे में भारत की तरफ से दूसरे देशों को कच्चे तेल की कीमत डॉलर में दी जाती है। यानी अगर रुपया डॉलर के मुकाबले मजबूत होता है तो हमें कम कीमत चुकानी पड़ेगी और अगर रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर होता है तो हमें अधिक कीमत चुकानी होगी।

इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का काम 2023-24 तक पूरा होने की उम्मीद

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

मध्य प्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इंदौर में लम्बे समय से पिछड़ रही मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का जारी काम वित्तीय वर्ष 2023-24 तक पूरा हो सकता है। प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को यह उम्मीद जताई। जिलाधिकारी मनीष सिंह ने इंदौर प्रेस क्लब में संवाददाताओं से कहा, ''हमें उम्मीद है कि शहर में मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का काम वित्तीय वर्ष 2023-24 तक पूरा हो जाएगा।''

शहर में मेट्रो रेल परियोजना का काम पिछड़ने के बारे में पूछे जाने पर जिलाधिकारी ने कहा, ''हमें मेट्रो की पहली लाइन के काम में शुरुआती तकनीकी समस्याएं हो रही हैं। लेकिन मेट्रो की पहली लाइन का काम पूरा होने के बाद शहर में इसके अन्य मार्ग बनाना अपेक्षाकृत आसान रहेगा।'' अधिकारियों ने बताया कि सूबे के तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने 14 सितंबर 2019 को इंदौर में 7,500.80 करोड़ रुपये की कुल लागत वाली मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण की नींव रखी थी और इसके तहत शहर में 31.55 किलोमीटर लम्बा मेट्रो रेल गलियारा बनाया जाना है। गौरतलब है कि इंदौर में प्रस्तावित मेट्रो रेल परियोजना को लेकर पिछले एक दशक से सरकारी दावे किए जाते रहे हैं। लेकिन अलग-अलग कारणों से इसका काम लगातार पिछड़ता चला गया है। अधिकारियों के मुताबिक पिछले डेढ़ साल में कोविड-19 के प्रकोप के चलते भी इसका काम बाधित हुआ।

देश के 1.60 लाख ईंट निर्माण उद्योग पर जीएसटी और कोयले का संकट

दो करोड़ मजदूर हो जाएंगे बेरोजगार

वाराणसी। एजेंसी

पूरे देश में संचालित ईंट निर्माण से जुड़े 1.60 लाख उद्योग पर जीएसटी व कोयला का संकट खड़ा हो गया है। कोयले की आपूर्ति न होने व जीएसटी की बढ़ी दर से परेशान ईंट भट्ठा संचालकों ने संकट दूर नहीं होने पर ईंट निर्माण का कार्य बंद करने की चेतावनी दी है। इससे ईंट भट्ठों पर कार्यरत तकरीबन दो करोड़ मजदूरों के समक्ष रोजी-रोटी का संकट मंडराने लगा है। इसके अलावा रियल स्टेट व गरीबों के लिए सरकारी आवास से जुड़ी योजनाएं भी प्रभावित होंगी।इस संबंध में मंगलवार को पराड़कर स्मृति भवन में उत्तर प्रदेश ईंट निर्माता समिति के पूर्व अध्यक्ष व ईंट निर्माता परिषद, वाराणसी के अध्यक्ष कमलाकांत पांडेय ने प्रेसवार्ता में कहा कि देश में ईंट निर्माण से जुड़े वैध 1.60 लाख उद्योग हैं। इनमें दो करोड़ मजदूर कार्यरत हैं। इसमें उत्तर प्रदेश में 19500, वाराणसी मंडल में दो हजार व जिले में 450 उद्योग हैं। बारिश के बाद नवंबर से इनका संचालन शुरू होता है। अच्छे गुणवत्ता का कोयला उचित दर पर न मिलने, जीएसटी की बढ़े दर वापसी नहीं की गई तो उद्योग बंद करने के सिवाय दूसरा विकल्प नहीं है।

क्या है संकट

कमलाकांत पांडेय ने कहा कि ईंट भट्ठों में अच्छे किस्म के कोयले की आवश्यकता होती है। यह अमेरिका, इंडोनेशिया व भारत में पश्चिम बंगाल के रानीगंज के ईसीएल क्षेत्र से प्राप्त होता है। इस समय कोयला आना बंद हो गया है। किसी आपूर्तिकर्ता के पास थोड़ा-बहुत है तो बिक्री दर काफी बढ़ गई है। पिछले वर्ष रानीगंज का कोयला दस हजार था तो इस वर्ष 14 से 16 हजार हो गया है। अमेरिकन कोयला 12 हजार से बढ़कर 22 से 24 हजार तक हो गया है। जीएसटी पांच से बढ़ाकर 12 प्रतिशत कर दिया गया है।

क्या है मांग

उचित दर पर गुणवत्तापूर्ण कोयला, जीएसटी की बढ़ी दर वापसी, ईंट पथाई मशीन में सब्सिडी, प्रदूषण मुक्त भट्टी वाले संचालकों को प्रोत्साहन, मिट्टी खुदाई के नियमों में बदलाव, सरकारी कार्यों में लाल ईंट की अनिवार्यता। उपाध्यक्ष ओमप्रकाश बदलानी, महामंत्री शिवप्रसाद सिंह, कोषाध्यक्ष हीरालाल यादव, मंत्री हीरानंद लखमानी, मनसाराम आहूजा व कैलाशनाथ पटेल आदि थे।

बिना प्रीमियम दिए 7 लाख तक का इंश्योरेंस PF खाताधारकों के लिए है खास स्कीम

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

आमतौर पर जब आप किसी बीमा का चयन करते हैं तो प्रीमियम का भी हिसाब-किताब जोड़ना पड़ता है। हालांकि, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन यानी ईपीएफओ की ओर से अपने सब्सक्राइबर्स को एक खास तरह की बीमा दी जाती है। इस बीमा का नाम- इम्पलॉइज डिपॉजिट लिंक्ड इंश्योरेंस (EDLI) है।

नहीं देना होता है प्रीमियम: अहम बात ये है कि ईपीएफओ सदस्य को इस बीमा रकम के लिए किसी तरह का प्रीमियम नहीं देना होता है। कहने का मतलब ये है कि ये सुविधा फ्री में मिलती है। एक बार ईपीएफओ से जुड़ने के बाद सभी ईपीएफ सदस्य बीमा के पात्र हो जाते हैं। इसके लिए ईपीएफ खाताधारकों को कुछ अतिरिक्त करने की जरूरत नहीं होती है।

किसको मिलेगी बीमा की रकम

ईपीएफओ के सदस्य की मौत के बाद बीमा की रकम का भुगतान होता है। अगर सेवा के दौरान ईपीएफ कर्मचारी की मृत्यु होने पर नॉमिनी या कानूनी उत्तराधिकारी बीमा के लिए क्लेम कर सकता है। स्कीम के तहत न्यूनमत बीमा लाभ राशि ढाई लाख रुपये है। वहीं, बीमा की अधिकतम रकम 7 लाख रुपए है। मतलब ये कि नॉमिनी 7 लाख रुपए तक की बीमा रकम ले सकता है। बीमा की रकम सीधे नॉमिनी के बैंक खाते में जमा किया जाता है।

कैसे होता है कैल्कुलेशन

बीमा की राशि का कैल्कुलेशन मृत EPFO कर्मचारी की आखिरी 12 महीनों की सैलरी के आधार पर होता है। बीमा की रकम पिछले 12 महीनों में मिली बेसिक सैलरी के 35 गुना ज्यादा होती है। इसकी अधिकतम सीमा 7 लाख रुपये होगी। आपको बता दें कि पहले बीमा की अधिकतम सीमा 6 लाख रुपए थी। हालांकि, इसी साल सरकार ने इसमें एक लाख रुपए की बढ़ोतरी की है। वहीं, न्यूनतम बीमा रकम 2 लाख रुपए से बढ़ाकर ढाई लाख रुपए कर दिया गया है।

सरकार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत को आगे बढ़ाने के लिए पंचवर्षीय रणनीतिक योजना लाएगी

नयी दिल्ली। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने मंगलवार को कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में भारत को एक महत्वपूर्ण देश बनाने के लिए पंचवर्षीय रणनीतिक योजना लाने पर विचार कर रही है। मंत्रालय के आधिकारिक बयान के अनुसार मंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय निजी क्षेत्र के साथ भागीदारी करेगा। यह भागीदार केवल उनके लिये व्यापार बढ़ाने की मांग तक सीमित नहीं होगी बल्कि क्वांटम कंप्यूटिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा और सेमीकंडक्टर जैसे भविष्य की प्रौद्योगिकी विकास के लिये होगा।'' उन्होंने उद्योग मंडल सीआईआई (भारतीय उद्योग परिसंघ) के प्रौद्योगिकी पर आयोजित सम्मेलन में कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कुछ गंभीर लक्ष्य तय किये हैं और वह चाहते हैं कि भारत प्रौद्योगिकी क्षेत्र में महत्वपूर्ण देश बने।''

''हम जल्दी ही पंचवर्षीय रणनीतिक दृष्टिकोण योजना पेश करने जा रहे हैं। इसमें इन महत्वाकांक्षाओं को साकार करने के लिए विकसित की जाने वाली योग्यता और क्षमताओं का विवरण होगा।'' मंत्री ने कहा कि पिछले छह साल में देश की अर्थव्यवस्था और जन सेवाओं को डिजिटल रूप देने के लिये शानदार प्रयास हुए हैं। इससे देश को कोविड-19 महामारी के दौरान मजबूत बने रहने में मदद मिली। उन्होंने कहा कि सरकार प्रौद्योगिकी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण देश के रूप में उभरने के लिए एक रूपरेखा तैयार करने को लेकर हर तरह के परामर्श के लिए तैयार है।

एयरटेल ने 'एयरटेल आईक्यूवीडियो' लान्च किया

भारत में वीडियो स्ट्रीमिंग को सामान्य बनाने के लिए एक सीपास समाधान

नई दिल्ली।आईपीटी नेटवर्क

भारत के प्रमुख कम्यूनिकेशन सोल्यूशन्स प्रोवाइडर, भारती एयरटेल ('एयरटेल') ने आज एक सेवा (सीपास)-'एयरटेल आईक्यूवीडियो' के रूप में अपना वीडियो प्लेटफॉर्म लॉन्च करने की घोषणा की। यह एयरटेल की इन-हाउस इंजीनियरिंग टीमों द्वारा विकसित किया गया समाधान है। एयरटेल के रेसीलिएंट क्लाउड और अत्याधुनिक वीडियो तकनीकों का लाभ उठाकर, एयरटेल आईक्यूवीडियो व्यवसाय को न्यूनतम निवेश के साथ बुनियादी ढांचे और तकनीक में बड़ी व छोटी स्क्रीन के लिए विश्व स्तरीय वीडियो स्ट्रीमिंग उत्पाद बनाने में सक्षम है। एयरटेल आईक्यूवीडियो शुरू से अंत तक एक संपूर्ण समाधान है, जो लागत लाभ के साथ सुविधा देता है। इसमें ऐपडेवलपमेंट, कंटेंट होस्टिंग, क्यूरेशन और लाइफ साइकल मैनेजमेंट से लेकर सर्च एंड डिस्कवरी, एनालिटिक्स और मुद्रीकरण मॉडल (विज्ञापन, सदस्यता, लेनदेन) तक कई तरह की विशेषताएं शामिल हैं।

राज टीवी का उदाहरण लें, जिन्होंने तेजी से डिजिटल रूप से जानकार उपभोक्ताओं की सेवा के लिए ओटीटी मार्ग लेने के लिए एयरटेल आईक्यूवीडियो का उपयोग किया है। प्रबंध निदेशक राज टेलीविजन नेटवर्क एम राजेंद्रन कहते हैं, 'हमारे पास कुछ बेहतरीन तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम फिल्मों के साथ 30,000 घंटे से अधिक की लाइब्रेरी कंटेंट थी। लेकिन इनमें से अधिकांश कंटेंट टेप/एनालॉग प्रारूपों में थी और दर्शक भी चाहते हैं कि ओटीटी के माध्यम से उन तक पहुंचें। एयरटेल आईक्यूवीडियो का उपयोग करके, हम अपनी कंटेंट को डिजिटाइज़ करने में सक्षम रहे और इसे अब एयरटेल के क्लाउड प्लेटफॉर्म पर होस्ट करते हैं। साथ ही इसे अपने ओटीटी ऐप के माध्यम से भारत और दुनिया भर में दर्शकों के लिए पेश करते हैं। महत्वपूर्ण बात यह है कि हम सबसे अच्छी तकनीक तक पहुंचने के साथ बहुत कम समय में और न्यूनतम आंशिक लागत पर इसे हासिल करने में सक्षम हैं, जिसने सुनिश्चित किया है कि उपयोगकर्ता का अनुभव बढ़िया हो। हम एयरटेल के साथ अपने संबंधों को और गहरा करने की उम्मीद कर रहे हैं।'

भारती एयरटेल के चीफ प्रोडेक्ट ऑफिसर आदर्श नायर ने कहाः 'एयरटेल आईक्यूवीडियो एक आसान प्लेटफॉर्म है, जो किसी को भी जल्दी से निर्माण करने में सक्षम बनाता है और वीडियो स्ट्रीमिंग में अपने व्यवसाय को बढ़ाता है। यह उद्यमियों की कंटेंट पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करेगा, जबकि एयरटेल आईक्यूवीडियो ग्राहकों के लिए एक शानदार अनुभव को सुनिश्चित करने के लिए एंड टू एंड तकनीक की एंकरिंग करता है। एयरटेल आईक्यूवीडियो के साथ, हम और अधिक कंटेंटस्टार्ट-अप और पारंपरिक कंटेंट कंपनियां को ऑनलाइन आने एवं उपभोक्ताओं के साथसीधेडिजिटल रूप से जुड़ने की उम्मीद करते हैं'

आधार को लेकर आया बड़ा अपडेट, सभी पर होगा लागू

नई दिल्ली। एजेंसी

आधार कार्ड यूज करने वालों के लिए काम की खबर है. UIDAI ने आधार कार्ड को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। अब आधार कार्ड खो जाने पर आपको दिक्कत नहीं होगी। UIDAI ने अब ऑनलाइन आधार डाउनलोड करना बेहद आसान कर दिया है. भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने ये जानकारी दी है और इसके साथ ही एक सीधा लिंक भी शेयर किया है जिस पर क्लिक कर आप कहीं भी आधार कार्ड को डाउनलोड कर सकते हैं।

यूआईडीएआई ने किया ट्वीट

यूआईडीएआई ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट कर इस सुविधा की जानकारी दी है। आधार फिलहाल हमारी पहचान का सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज है। बैंक का काम हो या सरकारी योजना का लाभ लेने के लिए आपको आधार की जरूरत पड़ती है। इससे अब आधार को साथ रखने या उससे संबंधी समस्याओं से निजात पाया जा सकता है। आधार कार्ड को ऑनलाइन डाउनलोड करने के लिए सीधा लिंक साझा करते हुए यूआईडीएआई ने ट्वीट किया, 'अपना आधार https://eaadhaar.uidai.gov.in से कभी भी कहीं भी डाउनलोड करें। आप 'नियमित आधार' डाउनलोड करना चुन सकते हैं।'

डिजिटल की ओर बदलाव से 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बन सकेगा भारत : श्नाइडर इलेक्ट्रिक

नयी दिल्ली। एजेंसी

श्नाइडर इलेक्ट्रिक इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अनिल चौधरी ने मंगलवार को कहा कि डिजिटल बदलाव से भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। ऊर्जा प्रबंधन और स्वचालन के डिजिटल बदलाव में अग्रणी श्नाइडर इलेक्ट्रिक ने मंगलवार को 'इनोवेशन समिट इंडिया 2021' की शुरुआत की। डिजिटल रूप से आयोजित इस शिखर सम्मेलन के पहले दिन कंपनी ने प्रमुख नीति निर्माताओं, उद्योग के दिग्गजों, ग्राहकों और भागीदारों को एक मंच लाकर आत्मनिर्भर भारत के साथ डिजिटल रूपांतरण पर चर्चा को आगे बढ़ाया। चौधरी ने शिखर सम्मेलन के एक सत्र में कहा, ''भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और डिजिटल की ओर बदलाव से भारत को 5,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और आत्मनिर्भरता हासिल करने में मदद मिलेगी।'' उन्होंने कहा, ''यह सुनिश्चित करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है कि हमारे सभी प्रयास स्थिरता के साथ वृद्धि के लिए हों। श्नाइडर इलेक्ट्रिक में हम ऊर्जा दक्षता और संचालन को और अधिक टिकाऊ बनाने के लिए अपने ग्राहकों की मदद करते हैं।''

एनपीसीआई ने सुरक्षा उपाय के रूप में रुपे कार्ड के लिए 'टोकन' प्रणाली शुरू की

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम ने बुधवार को 'रुपे कार्ड' के लिए टोकन प्रणाली शुरू करने की घोषणा की। एनसीपीआई ने कहा कि एनपीसीआई 'टोकनीकरण' प्रणाली (एनटीएस) दुकानदारों के पास कार्ड का ब्योरा स्टोर करने के विकल्प में रूप में होगी। इससे ग्राहकों के कार्ड की सुरक्षा बढ़ेगी और उन्हें खरीदारी का एक सहज अनुभव मिलेगा। एनपीसीआई ने कहा कि ग्राहकों की संवेदनशील जानकारी को भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) के दिशानिर्देशों के अनुसार सुरक्षित लेनदेन में मदद के लिए कूट 'टोकन' के रूप में रखा जाएगा। उसने कहा कि ये टोकन ग्राहक की जानकारी का खुलासा किए बिना भुगतान करने की अनुमति देंगे। एनपीसीआई के उत्पाद प्रमुख कुणाल कलावतिया ने कहा, ''कार्ड टोकन को लेकर आरबीआई द्वारा जारी दिशानिर्देश देश में डिजिटल भुगतान पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा को बढ़ाने के लिए हैं। हमें विश्वास है कि रुपे कार्ड टोकन के लिए एनपीसीआई टोकन प्रणाली से लाखों रुपे कार्डधारकों में सुरक्षित लेन-देन को लेकर विश्वास पैदा होगा।''

शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे चढ़ा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

कच्चे तेल की कम कीमतों और विदेशी बाजारों में अमेरिकी मुद्रा के कमजोर होने की वजह से बुधवार को शुरुआती कारोबार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 26 पैसे चढ़कर 75.09 पर पहुंच गया। शेयर कारोबारियों के अनुसार, हालांकि, घरेलू शेयर बाजार में नरमी और विदेशी कोष के बहिर्वाह ने स्थानीय इकाई के लाभ को सीमित कर दिया।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 75.10 पर मजबूती के साथ खुला और फिर 75.09 पर पहुंच गया जो पिछले बंद के मुकाबले 26 पैसे की तेजी को दिखाता है। शुरुआती सौदों में यह 75.13 और 75.09 के करीबी दायरे में घट-बढ़ रहा था। रुपया पिछले सत्र में अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 75.35 पर बंद हुआ था। ईद-ए-मिलाद की छुट्टी के चलते मंगलवार को घरेलू मुद्रा बाजार बंद रहा। इस बीच, छह मुद्राओं की तुलना में डॉलर का रुख दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत फिसलकर 93.67 पर आ गया। वहीं वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.48 प्रतिशत गिरकर 84.67 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।

एएससीआई-फ्यूचरब्रांड्स ने विज्ञापन में महिलाओं के चित्रण के मामले में जेंडरनेक्स्ट रिपोर्ट जारी की

मुम्बई। एजेंसी

ब्रांड्स और विज्ञापन एजेंसियों को सकारात्मक तरीके से जेंडर संबंधी चित्रण को व्यवस्थित करने में मदद करने के लिए, एडवरटाइजिंग स्टैंडर्ड्स काउंसिल ऑफ इंडिया (एएससीआई) और फ्यूचरब्रांड्स ने जेंडरनेक्स्ट अध्ययन जारी किया है। यह अध्ययन विज्ञापन में महिलाओं के चित्रण पर एक व्यापक कार्रवाई योग्य अंतर्दृष्टिवाला अध्ययन है।

जेंडरनेक्स्ट में पर्सनल केयर, फैशन, सौंदर्य, होम एवं किचन, गैजेट्स एवं व्हील्स, धन और शिक्षा जैसी कई श्रेणियों में चित्रण के पैटर्न शामिल हैं। अध्ययन इस फर्क को भी दर्शाता है कि विज्ञापन महिलाओं को कैसे चित्रित करता है, जबकि महिलाएं खुद को कैसे देखती हैं और कैसी दिखना चाहती हैं।

जेंडरनेक्स्ट की प्रमुख लेखिका लिपिका कुमारन के अनुसार, अध्ययन से पता चलता है कि कुछ सकारात्मक कदम उठाये गए हैं, लेकिन मुख्यधारा के विज्ञापन अब भी अत्यधिक इस्तेमाल किए जा चुके और कभी-कभी हानिकारक साबित होने वाले स्टीरियोटाइपचित्रणों का ही सहारा लेते हैं। छह सौ से अधिक विज्ञापनों के एक विस्तृत अध्ययन ने कई समस्याग्रस्त चित्रणों का खुलासा किया- जैसे महिलाओं के खानपान की प्रक्रिया को सेंसुअल बनाना, वित्त संबंधी विज्ञापनों में महिलाओं को खर्च करने वाले व्यक्ति के रूप में दिखाना, जब घर के अन्य लोग मौज-मस्ती कर रहे हों तब महिलाओं को घर के कामों में जुटे हुए दिखाना, सौंदर्य विज्ञापनों में पुरुष द्वारा एकटक देखने को स्वीकृति देना, गैजेट के विज्ञापनों में टेक-हाइयार्की में महिलाओं को नीचे रखना, पुरुषहस्तियों द्वारा महिलाओं को चुनौती और निर्देश देना और कई अन्य चित्रण।

अध्ययन में जीवन के विभिन्न चरणों में जी रहीं और विभिन्न स्तर के शहरों में रहने वाली महिलाओं का साक्षात्कार लिया गया है, जिसमें उन्होंने बताया कि वे नहीं, बल्कि उनके क्षेत्र के अन्य लोग हैं जो सोच में उनसे पीछे हैं, और उन्हें सशक्तिकरण की आवश्यकता है। उन्हें लगता है कि इस प्रयास में विज्ञापन उनके सहयोगी हो सकते हैं। अध्ययन में पाया गया कि युवा अविवाहित महिलाओं के लिए, विज्ञापन में इस्तेमाल की जाने वाली सामान्य रूढ़ियाँ बिल्कुल भी सही नहीं हैं, जैसे कि महिलाएं खुशी-खुशी काम का बोझ उठाती हैं। महिला दिवस पर आने वाले खास विज्ञापन जो महिलाओं को महत्वपूर्ण संघर्ष के बाद विजयी होते हुए दिखाते हैं, वे खास तौर उन्हें सशक्त नहीं बना रहे। लड़ाई लड़ने के बाद ही युवतियों को आज़ादी देने वाले विज्ञापनों से महिलाएं थक चुकी हैं। अध्ययन एक केटेगरी एग्नॉस्टिक फ्रेमवर्क 'द एसईए (सेल्फ-एस्टीम्ड – एम्पॉवर्ड –अलाइड) फ्रेमवर्क' का प्रस्ताव रखता है, जिसका उद्देश्य सहानुभूति और मूल्यांकन के द्वारा अपने विज्ञापन में महिलाओं के चित्रण की कल्पना करने के साथ-साथ उनका मूल्यांकन करने में स्टेकहोल्डर्स का मार्गदर्शन करना है।

अध्ययन में स्क्रिप्ट/स्टोरीबोर्ड, कास्टिंग, स्टाइलिंग के लिए, स्टीरियोटाइप रेड फलैग्स की पहचान करने के लिए 3एस स्क्रीनर का भी प्रस्ताव रखा गया है। ये स्क्रीनर सबॉर्डिनेशन, सर्विस और स्टैंडर्डाइजेशन के तीन पहलुओं को देखता है

कंपनी के कर्मचारी के लिए चलाते हैं कैंटीन तो नहीं देना होगा जीएसटी..

नई दिल्ली। एजेंसी

सूरत। अगर किसी कंपनी के दफ्तर में इसके अंदर स्टाफ के लिए कैंटीन चलाया जाता है तो इस पर जीएसटी नहीं वसूला जाएगा। किसी कंपनी के एम्पलाई के हिसाब से चलाए जाने वाले कैंटीन में उन्हें परोसे जाने वाले खाद्य पदार्थ के लिए जीएसटी नहीं वसूला जा सकता। देश में कई बड़े औद्योगिक और मैन्यूफैक्चरिंग युनिट के लिए यह खबर बड़े काम की साबित हो सकती है।

गुजरात AAR का फैसला

गुजरात अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग ने कहा है कि अगर किसी स्टाफ से कैंटीन चार्ज के रूप में कोई रकम वसूली जाती है उस पर जीएसटी लागू नहीं होगा। बहुत सी कंपनियां अपने स्टाफ से कैंटीन सर्विस के लिए पैसे वसूलती हैं और उसे अपने कैंटीन संचालक को देती हैं। इस फैसले के बाद बहुत से कंपनियों में अब इस मसले पर होने वाली बहस खत्म हो सकती है।

स्टाफ के लिए फूड कैंटीन

टैक्स एक्सपर्ट का कहना है कि बहुत सी कंपनियां मौजूदा कानून के हिसाब से अपने स्टाफ के लिए फूड कैंटीन उपलब्ध कराती हैं और उनके बीच जीएसटी के मसले पर बहस खत्म हो सकती है। अधिकतर मामलों में कंपनियां अपने स्टाफ से फूड कैंटीन के नाम पर टोकन मनी वसूलती हैं।

टैक्स से संबंधित फैसला

एडवांस रूलिंग में कहा है कि अगर कोई कंपनी में स्टाफ के लिए कैंटीन चला कर उससे कोई मुनाफा नहीं कमा रही है तो उस अमाउंट पर जीएसटी नहीं लगाया जा सकता। इस मामले में कंपनियां सिर्फ एक मध्यस्थ की भूमिका निभाती हैं, इसे कारोबार नहीं कहा जा सकता। इससे पहले कंपनियों के स्टाफ कैंटीन से संबंधित टैक्स के मसले पर कई अलग-अलग फैसले आये थे जिससे कंपनियों के बीच भ्रम का माहौल था।

CBIT के रुख को साफ़ करने की जरूरत

टाटा मोटर्स से संबंधित फैसले में अथॉरिटी फॉर एडवांस रूलिंग ने कहा है कि स्टाफ कैंटीन के लिए वसूली जाने वाली रकम के मामले में जीएसटी लागू नहीं होता। अगर कोई कंपनी अपने स्टाफ के लिए कैंटीन सर्विस चलाती है तो उद्योग जगत में पहले उस रकम पर जीएसटी चुकाया जाए या नहीं, इस पर भ्रम की स्थिति थी। इस बारे में पहले कई फैसले से आए हैं जिसकी वजह से कंपनियों को इस रकम पर जीएसटी चुकाना भी पड़ा है।

सरकार बना रही है सरकारी और निजी रिफाइनरी कंपनियों का समूह

देश में पेट्रोल-डीजल की कीमतें कम करना मकसद

नई दिल्ली। एजेंसी

भारत एक ग्रुप बना रहा है, जिसमें सरकारी और निजी रिफाइनरी कंपनियों को साथ लाया जाएगा, जिससे वे कच्चे तेल के आयात पर बेहतर डील की मांग कर सकें। पेट्रोलियम मंत्रालय के सचिव तरुण कपूर ने मंगलवार को रॉयटर्स को यह जानकारी दी है। देश तेल की बढ़ती कीमतों की मुश्किल से जूझ रहा है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ी तेल का आयातक भारत अपनी क्रूड की जरूरतों के करीब 85 फीसदी के आयात पर निर्भर है और इसमें से अधिकतर हिस्से को मध्य पूर्व के उत्पादकों से खरीदता है।

दो हफ्तों में एक बार होगी मुलाकात

शुरुआत में, रिफाइनरी कंपनियों का समूह दो हफ्तों की अवधि में एक बार मिलेगा और क्रूड की खरीदारी पर आइडियाज की अदला-बदली करेगा। पेट्रोलियम मंत्रालय में शीर्ष नौकरशाह कपूर ने रॉयटर्स को कहा कि कंपनियां संयुक्त रणनीति को बना सकती हैं और जब भी संभव हो, संयुक्त तौर पर बातचीत भी कर सकती हैं। भारत की सरकारी रिफाइनरी कंपनियों ने पहले भी संयुक्त तौर पर कुछ कच्चे तेल की खरीद पर बातचीत की है।

इससे पहले एक बार सरकारी और निजी रिफाइनरी कंपनियों ने साथ मिलकर बातचीत की थी, जिससे इरानी तेल को अच्छे डिस्काउंट की डील हुई थी। भारत का व्यापार घाटा सितंबर में बढ़कर रिकॉर्ड 22.6 अरब डॉलर पर पहुंच गई है। यह कम से कम 14 सालों में सबसे ज्यादा है, जिसकी मुख्य वजह महंगा आयात रहा है।

सरकार की ओपेक प्लस से उत्पादन बढ़ाने की मांग

रिपोर्ट के मुताबिक, ऑर्गनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंटरीज एंड इट्स अलायस (OPEC+) को वैश्विक तौर पर तेल की कीमतों को कम करने के लिए उत्पादन को बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ओपेक प्लस को यह समझना चाहिए कि यह सही तरीका नहीं है, उन्हें उत्पादन को जरूर बढ़ाना चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि अगर डिमांड बढ़ रही है और आप प्रोडक्शन को नहीं बढ़ा रहे, तो आप एक अंतर बनाने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने रॉयटर्स से कहा कि इसकी वजह से, कीमतें ऊपर जा रही हैं और यह सही नहीं है। ओपेक प्लस उत्पादक देशों ने हाल ही में नवंबर के आउटपुट को 400,000 बैरल प्रति दिन (bpd) बढ़ाने की योजना के साथ सहमति देने का विचार किया है। कपूर ने कहा कि बढ़ती तेल की कीमतों ग्राहकों को मजबूर करेगी कि वह गंभीर तौर पर यह सोचना शुरू कर दें कि वे दूसरे तरीकों में शिफ्ट कर दें या किसी तरह ओपेक तेल के लिए अपनी डिमांड को कम कर दें। उन्होंने कहा कि इस तरह की कीमतो को ज्यादा समय तक बरकरार नहीं रखा जा सकता है।

मूडीज ने बैंकिंग प्रणाली के परिदृश्य को 'नकारात्मक' से 'स्थिर' किया

नयी दिल्ली। मूडीज इन्वेस्टर्स सर्विस ने महामारी की शुरुआत के बाद से संपत्ति की गुणवत्ता में मामूली गिरावट और आर्थिक पुनरुद्धार के साथ ऋण वृद्धि में तेजी आने की संभावना के मद्देनजर मंगलवार को भारतीय बैंकिंग प्रणाली के लिए परिदृश्य को 'नकारात्मक' से 'स्थिर' कर दिया। मूडीज को उम्मीद है कि अगले 12-18 महीनों में भारत की अर्थव्यवस्था में सुधार जारी रहेगा और मार्च, 2022 में समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में 9.3 प्रतिशत और उसके अगले वर्ष 7.9 प्रतिशत की वृद्धि होगी। मूडीज ने अपनी 'बैंकिंग प्रणाली परिदृश्य - भारत' रिपोर्ट में कहा, 'आर्थिक गतिविधियों में तेजी से ऋण वृद्धि को बढ़ावा मिलेगा। यह वृद्धि हमें सालाना 10-13 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। कमजोर कॉरपोरेट वित्तीय स्थिति और वित्तीय कंपनियों में वित्त पोषण की कमी बैंकों के लिए प्रमुख नकारात्मक कारक रहे हैं

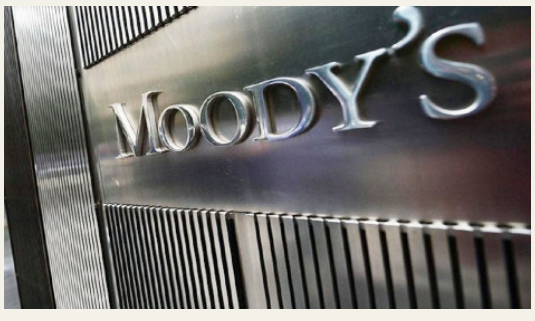

लेकिन ये जोखिम कम हो गए हैं।' इसमें कहा गया कि कॉरपोरेट ऋणों की गुणवत्ता में सुधार हुआ है जो यह दर्शाता है कि बैंकों ने इस वर्ग में पुरानी समस्याओं वाले सभी ऋणों को मान्यता दी है और उन्हें लेकर प्रावधान किया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, खुदरा ऋणों की गुणवत्ता में गिरावट आयी है, लेकिन यह एक सीमा तक हुआ है क्योंकि व्यापक रूप से नौकरियां छूटने की समस्या नहीं देखी गयी है। मूडीज ने कहा, 'हमने भारतीय बैंकिंग प्रणाली के लिए दृष्टिकोण में बदलाव करते हुए उसे नकारात्मक से स्थिर कर दिया है। महामारी का प्रकोप शुरू होने के बाद से संपत्ति की गुणवत्ता में मामूली गिरावट आयी है और संचालन के सुधरते माहौल से संपत्ति गुणवत्ता में मदद मिलेगी। संपत्ति गुणवत्ता में सुधार से ऋण की लागत में कमी के साथ लाभप्रदता में सुधार होगा।'

क्यों मनाया जाता है करवा चौथ

करवा चौथ (जिसे करवा चौथ भी कहा जाता है) मुख्य रूप से विवाहित महिलाओं द्वारा मनाए जाने वाले सबसे महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। हरियाली तीज, कजरी तीज और हरतालिका तीज, वट सावित्री व्रत की तरह करवा चौथ का उद्देश्य पुरुष और उसकी पत्नी के बीच के बंधन को मजबूत करना है। हालांकि, अविवाहित लड़कियां (18 वर्ष से अधिक) भी मनचाहा पुरुष पाने की आशा के साथ व्रत रखती हैं। करवा चौथ 2021 की तारीख, शुभ मुहूर्त, उपवास का समय और अन्य महत्वपूर्ण विवरण जानने के लिए इस लिंक को देखें। पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश के कई हिस्सों की विवाहित और अविवाहित महिलाएं कार्तिक माह की चतुर्थी तिथि (चौथे दिन), कृष्ण पक्ष (चंद्र चक्र के घटते चरण) पर करवा चौथ मनाती हैं। पूर्णिमांत कैलेंडर) और अश्विन (अमावस्यंत कैलेंडर के अनुसार)। महीनों के नाम अलग-अलग होते हैं, लेकिन उत्सव की तारीख वही रहती है। दिलचस्प बात यह है कि करवा चौथ को पारंपरिक रूप से कारक चतुर्थी के रूप में जाना जाता है, और यह उन महिलाओं द्वारा मनाया जाता है जो सूर्योदय से लेकर चंद्रोदय तक का व्रत रखती हैं। विवाहित लोग करवा चौथ व्रत का पालन देवी-देवताओं का आशीर्वाद पाने के लिए करते हैं और अपने पति की लंबी उम्र और कल्याण के लिए प्रार्थना करते हैं। यह व्रत भगवान गणेश के भक्तों द्वारा मनाए जाने वाले संकष्टी चतुर्थी व्रत से मेल खाता है। दिलचस्प बात यह है कि कारक चतुर्थी पर, महिलाएं मां पार्वती की पूजा करती हैं, जो अखंड सौभाग्यवती (शाश्वत विवाहित) का प्रतीक हैं। भक्त कुछ क्षेत्रों में देवी माता को कारक माता या चौथ माता के रूप में भी मानते हैं। इस परंपरा के महत्व को स्थापित करने के लिए विभिन्न किंवदंतियां हैं। ऐसी ही एक कहानी बताती है कि कैसे एक दयालु पत्नी ने अपने मृत पति को फिर से जीवित करने की ठान ली। इसलिए, यह त्योहार एक महिला के अपने पति के साथ साझा किए गए रिश्ते के प्रति अडिग विश्वास और समर्पण पर जोर देता है। इसलिए, महिलाएं व्रत रखती हैं और उनका आशीर्वाद पाने के लिए करक माता की पूजा करती हैं।

जानिए कहां रुकना पसंद नहीं है मां लक्ष्मी को और क्यों?

माता लक्ष्मी को धन और समृद्धि की देवी कहा गया है। कहते हैं कि धन है तो जीवन की आधी से ज्यादा समस्या तो यूं ही समाप्त हो जाती है। माता लक्ष्मी के रूठने से जीवन में दरिद्रता का समावेश हो जाता है। दरिद्रता को महारोग माना गया है। आओ जानते हैं कि मां लक्ष्मी को कहां रूकना पसंद नहीं है और क्यों।

1. **गंदगी :** माता लक्ष्मी को गंदी जगह पर रूकना पसंद नहीं है, क्योंकि उन्हें गंदगी अच्छी नहीं लगती है। यही कारण है कि शुक्रवार, दीपावली और महालक्ष्मी के व्रत के समय घरों का साफ-सुधरा किया जाता है।

2. **गृहकलह :** माता लक्ष्मी वहां नहीं रूकती है जहां पर गृहकलह होता हो। उन्हें गृहकलह पसंद नहीं है।
3. **देर तक सोना :** माता लक्ष्मी वहां भी नहीं रूकती है जहां के लोग सुबह देर तक सोते रहते हैं। ऐसे लोगों से मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं।
4. **स्त्री का अपमान :** जिस घर में महिलाओं का अपमान होता हो वहां पर भी माता लक्ष्मी रूकती नहीं है।
5. **जूते-चप्पल :** यदि आपके घर में जूते-चप्पल एक स्थान पर व्यवस्थित नहीं रखे हैं तो माता लक्ष्मी नाराज होकर आपके घर से चली जाएंगी।
6. **नल से पानी टपकना :** कहते हैं कि यदि आपके घर के नल से पानी टपकता रहता है तो इसे धन का व्यर्थ ही व्यय होगा। इससे भी माता लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं।
7. **तुलसी का पौधा :** तुलसी के पौधे को विष्णुप्रिया कहा गया है। इसके उचित दिशा में नहीं रखने और देखभाल नहीं करने से भी माता लक्ष्मी रूठकर चली जाती है।
8. **छत पर कूड़ा :** छत पर कूड़ा इकट्ठा करने से भी माता लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। इसे धन की हानी होती है।
9. **जूठे बर्तन :** घर में भोजन करने के बाद जूठे बर्तन को फैलाकर रखना या वॉश बेसिन में ही रातभर के लिए रखे रखने से भी माता लक्ष्मी रूठ जाती है। इसलिए घर का किचन हमेशा साफ सुधरा रखना चाहिए।
10. **रात के समय बाल या नाखून काटना :** कहते हैं कि रात के समय बाल या नाखून काटने से भी माता लक्ष्मी रुष्ट हो जाती है। इसके कारण जीवन में धन संबंधी परेशानियां होने लगती है।
11. **अन्न का अनादर करना :** खड़े होकर भोजन करना या भोजन करते समय बीच में से ही भोजन को छोड़कर उठ जाने से माता अन्नपूर्णा रुष्ठ हो जाती है जो माता लक्ष्मी का ही एक रूप है। इसे घर की बरकत चली जाती है।
12. **शाम के वक्त किसी को नमक देना :** कभी भी शाम के वक्त किसी को नमक नहीं देना चाहिए क्योंकि नमक उधार देने से घर की बरकत चली जाती है और जीवन में पैसों की तंगी का सामना करना पड़ सकता है। साथ ही हाथ में नमक देने या लेने से भी मां लक्ष्मी नाराज हो जाती हैं।

सबसे पवित्र हिंदू महीने का महत्व, मनाए जाते हैं ये त्योहार

कार्तिक हिंदू कैलेंडर का आठवां महीना है। कैलेंडर में अक्टूबर या नवंबर के साथ ओवरलैप होता है। इस महीने को सबसे पवित्र महीनों में से एक माना जाता है और ऐसा माना जाता है कि यह ध्यान और उत्सव के साथ आत्मा को जगाने का महीना है। पुराणों में माह में व्रत करने का वर्णन मिलता है। पद्म पुराण में कार्तिक मास को कृष्ण का प्रिय माह बताया गया है। लोग इस महीने में सभी बुरे कामों को त्यागने और शुद्ध जीवन जीने के लिए उपवास रखते हैं।

कार्तिक मास के बारे में

हिंदू धर्म में हर महीने का अलग-अलग महत्व होता है। लेकिन कार्तिक मास की महिमा बेहद खास मानी जाती है। हिंदू पंचांग के अनुसार, कार्तिक मास आठवां महीना होता है। इस साल कार्तिक मास की शुरुआत 21 अक्टूबर 2021 से हो रही है, जो कि 19 नवंबर तक रहेगा। आपको बता दें, करवा चौथ, अहोई अष्टमी, रमा एकादशी, धनतेरस, नरक चतुर्दशी, लक्ष्मी पूजा, गोवर्धन पूजा, भाई दूज, छठ पूजा और तुलसी विवाह, कार्तिक महीने में मनाए जाने वाले कुछ त्योहार हैं। महीने की पूर्णिमा के दिन को कार्तिक पूर्णिमा कहा जाता है और इसे वाराणसी में देव दिवाली के रूप में मनाया जाता है। ऐसा माना जाता है कि इस महीने में सूर्य और चंद्रमा की किरणों का मन और शरीर पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। महीने के दौरान किया जाने वाला कोई भी व्रत, यहां तक कि सबसे छोटा, बहुत बड़ा परिणाम देता है। यह भगवान कृष्ण को दीप चढ़ाने का महीना है जो माया यशोदा द्वारा रस्सियों से बंधे होने के उनके मनोरंजन का महिमामंडन करता है। ऐसा कहा जाता है कि कार्तिक पूर्णिमा को भगवान विष्णु का 'मत्स्य अवतार' हुआ था। कार्तिक पूर्णिमा के दौरान, चंद्रमा अपनी पूरी शक्ति में मौजूद होता है और इसलिए पापों से छुटकारा पाने और व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन की बाधाओं को दूर करने के लिए कई पूजा और टोटके भी किए जाते हैं।

कार्तिक मास में करने योग्य बातें

■घी से भरे पीतल के बर्तन का दान करें। ■प्रातः काल आंवला और तुलसी से राधा-कृष्ण की पूजा करें। ■ शाम को दीया जलाकर भगवान विष्णु और देवी तुलसी की पूजा करें। ■विष्णु स्तोत्र, विष्णु सहस्त्रनाम स्तोत्र और गोपाल सहस्त्रनाम स्तोत्र करें। ■ किताबें, घंटियां और संबंधित वस्तुओं का दान करें।

नवग्रह शांति के अत्यंत सरल उपाय,जीवन की खुशियों के लिए जरूर आजमाएं

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार कुल 9 ग्रह हैं जो सूर्य, चंद्र, मंगल, बुध, गुरु या बृहस्पति, शुक्र, शनि, राहू और केतु माने गए हैं। इन नवग्रहों में से प्रत्येक ग्रह विभिन्न परिणाम देते हैं और 12 विभिन्न राशियों में बैठकर कभी-कभी बिल्कुल विपरीत परिणाम देते हैं। हर राशि में प्रत्येक ग्रह के कुछ अच्छे और कुछ बुरे परिणाम होते हैं। तंत्र शास्त्र के अनुसार नवग्रहों की स्थिरता के लिए कुछ सरल और सुलभ उपाय बताए गए हैं।

■सूर्य अशुभ प्रभाव दे रहा हो तो बेड के नीचे तांबे के बर्तन में पानी भरकर रखें।

ऐसा करना संभव न हो तो तकिए के नीचे लाल चंदन रखें।

■चंद्र खराब हो तो बैड के नीचे चांदी के पात्र में जल भरकर रखें। संभव न हो तो चांदी के गहने पहनें।

■मंगल परेशानी दे रहा हो तो कांसे के बर्तन में पानी भरकर रखें अथवा तकिए के नीचे सोने-चांदी की धातु से बनी ज्वैलरी रखें।

■बुध जीवन में उथल-पुथल मचा रहा हो तो तकिया के नीचे सोने से बने अलंकार रखें।

■देवगुरु बृहस्पति टेढ़ी चाल चल रहे हो तो हल्दी की गांठ पीले कपड़े में बांधकर तकिए के नीचे रखें।

■शुक्र की शुभता के लिए चांदी की मछली बनाकर तकिए के नीचे रखें अथवा चांदी के पात्र में जल भरकर पलंग के नीचे रखें।

■शनि से संबंधित कोई भी समस्या हो तो लोहे के पात्र में जल भरकर बैड के नीचे रखें अथवा पिलो के नीचे शनिदेव का प्रिय रत्न नीलम रखें।

■इसके साथ ही राहु के अनुकूल बनाने के लिए सिर पर चोटी रखना, माथे पर चंदन का तिलक लगाना चाहिए।

■केतु को शुभ बनाने के लिए दो रंग के कुत्ते को रोटी खिलाएं अथवा कुत्ता पालें।

प्योर मोटरसाइकिलिंग के 120 साल पूरे होने पर एक एक्स्ट्राबॉर्डिनरी एंडेवर रॉयल एनफील्ड साउथ पोल पर

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

रॉयल एनफील्ड 1901 से लेकर अब तक लगातार उत्पादन में दुनिया का सबसे पुराना मोटरसाइकिल ब्रांड रहा है। 120 साल में रॉयल एनफील्ड सवारी करने के लिए आकर्षक और सादे, पेयरड डाउन, ऑथेंटिक क्लासिक मोटरसाइकिलों के निर्माण की विरासत का संरक्षक बना हुआ है। समय के दौरान और कठिन इलाकों में सवारी करते हुए रॉयल एनफील्ड युगों से विशेष और आकर्षक रहने वाली और इन्सान और मशीन के धीरज का परीक्षण लेने वाली राइड्स में विजयी रहा है।

रेड्डिच फैक्ट्री में अपनी हंबल शुरुआत से रॉयल एनफील्ड ने यादगार अनुभव और मोटरसाइकलिंग की लेजंडरी कहानियों के निर्माण में एक सदी से अधिक समय बिताया है। एक्सप्लोरेशन की लाइफलॉग खोज को प्रोत्साहित करने और किकस्टार्ट करने की अपनी यात्रा में रॉयल एनफील्ड ने दुनिया के सबसे ऊंचे मोटरेबल पास पर सवारी करने से लेकर तिब्बत में

माउंट एवरेस्ट के बेस कैंप तक पहुंचने तक दौलत बेग ओल्डी, काराकोरम में सबसे मुश्किल माउन्टेन पास पर सवारी करने से लेकर वेमिसाल रात के आसमान के नीचे कच्छ के रेगिस्तान में सवारी करने तक दुनिया भर में राइड्स को आयोजित किया है।

इस यात्रा को जारी रखते हुए और प्योर मोटरसाइकलिंग कल्चर के निर्माण के 120 साल पूरे होने के समय को यादगार बनाने के लिए रॉयल एनफील्ड मोटरसाइकलिंग संभावनाओं की सीमाओं को आगे बढ़ाने की महत्वाकांक्षी कोशिश के साथ साल 2021 को याद करेगा। कंपनी रॉस आइस शेल्फ से सेवेरेट ग्लेशियर से होते हुए ज्योग्राफिक साउथ पोल तक पहुंचने का प्रयास करने के लिए रॉयल एनफील्ड हिमालयन पर एक मोटरसाइकिलिंग एक्सपेडिशन शुरू करेगी। 90 डिग्री साउथ कवेस्ट फॉर साउथ- पोल की संकल्पना प्योर मोटरसाइकलिंग के प्रति ब्रांड की प्रतिबद्धता और अपनी मोटरसाइकलिंग यात्रा के साथ इतिहास रचने वाले बहुत से राइडर्स और खोजकर्ताओं के साहस और लचीलेपन को एक सम्मान देने के लिए की गई है।

टैफे का राष्ट्रव्यापी सर्विस अभियान 'मैसी सर्विस उत्सव' लॉन्च

एजेंसी। प्रमुख भारतीय ट्रैक्टर कंपनी और दुनिया के तीसरे सबसे बड़े ट्रैक्टर निर्माता, टैफे - ट्रैक्टर्स एंड फार्म इक्विपमेंट लिमिटेड ने एक राष्ट्रव्यापी मेगा ट्रैक्टर सेवा अभियान 'मैसी सर्विस उत्सव' लॉन्च किया, ताकि किसानों के लिए चिंता मुक्त खेती सुनिश्चित की जा सके। मैसी सर्विस

उत्सव का मुख्य उद्देश्य मेन्टेनेंस की लागत को कम करके किसानों को लाभ पहुंचाना है और उन्हें देश भर में 3000 से अधिक, अति कुशल और अच्छी तरह से प्रशिक्षित मैकेनिकों के मार्गदर्शन में 1500 से ज्यादा अधिकृत वर्कशॉपों में ट्रैक्टर श्रेणी में सर्वोत्तम सर्विस प्रदान करना है। ये मेन्टेनेंस सेवाएं सीजन के दौरान उच्च परफॉरमेंस के लिए, प्रत्येक ट्रैक्टर के 25 से 44 पॉइंट्स की जांच सुनिश्चित करती हैं।

आकर्षक ऑफरों और लाभदायक छूट के साथ मैसी सर्विस उत्सव को प्रत्येक टैक्टर मालिक की सुविधा को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। मैसी सर्विस उत्सव के अंतर्गत दिए जा रहे कुछ प्रमुख ऑफरों में ऑयल सर्विस पर उपहार और छूट, 4000 रुपये बिल मूल्य से अधिक के कामों पर 15इ की छूट, 4000 रुपये बिल मूल्य से कम के कामों पर पुर्जों पर 3-5इ की छूट, तेल पर 10इ की छूट और लेबर चार्ज में 50इ तक की छूट, एग्रीस्टार पावरवेटर के ओरिजिनल ब्लेड पर 20इ की छूट और अतिरिक्त देखभाल, शामिल हैं।

मैसी सर्विस उत्सव के साथ, टैफे का लक्ष्य ग्राहकों के साथ जुड़ना है ताकि वे सीजन के लिए अपना ट्रैक्टर तैयार कर सकें। इसके अलावा, टैफे का उद्देश्य उन ग्राहकों को विशेष सेवा प्रदान करना है जो पिछले 12 महीनों में अधिकृत वर्कशॉप में नहीं जा पाए हैं, और उन ग्राहकों को सेवाएं देना है जिनके ट्रैक्टरों को बड़े ओवरहाल और मरम्मत की जरूरत है।

महिंद्रा ने ट्रैक्टर्स की युवो टेक + रेंज लॉन्च की

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

महिंद्रा एंड महिंद्रा का फार्म इक्विपमेंट सेक्टंर, जो महिंद्रा समूह का घटक है और वॉल्यूम की दृष्टि से दुनिया का सबसे बड़ा ट्रैक्टसर निर्माता है, ने आज युवो टेक + नामक आधुनिक एवं उन्नीत ट्रैक्टर रेंज लॉन्च की। महिंद्रा के आधुनिक युवो ट्रैक्टर प्लेटफॉर्म पर आधारित, नये महिंद्रा युवो टेक इ में महिंद्रा का नया एमजिप 3-सिलिंडर इंजन लगा हुआ है जो अधिक क्यूबिक कैपेसिटी टेक्नोवलॉजी के साथ आता है। यह नया इंजन श्रेणी में सर्वोच्च टॉर्क एवं सर्वोत्तम शक्ति व माइलेज देने का दावा करता है। युवो टेक + में 12F फॉरवर्ड + 3R रिवर्स ट्रांसमिशन टेक्नोलॉजी है जिसमें स्पीड के 3 विकल्प H-M-L हैं ताकि मिट्टी के प्रकार और कृषि अनुप्रयोग के आधार पर स्पीड का चुनाव किया जा सके। हाई प्रेसिजन कंट्रोल वॉल्स्र और 1700 कि.ग्रा. तक का वजन उठाने में सक्षम, युवो टेक + आसानीपूर्वक एवं सटीकता के साथ भारी इंप्लिमेंट्स को संभाल सकता है। महिंद्रा युवो 26-37.3 kW

35 – 50 HP रेंज में विश्वस्तरीय ट्रैक्टर है जिसे 5 साल पहले लॉन्च किया गया था। महिंद्रा रिसर्च वैली एमआरवी, चेन्नई में इसकी डिजाइनिंग और शोध एवं विकास किया गया है। युवो रेंज दुनिया भर में तीस से अधिक अनुप्रयोगों और इलाकों में 1,50,000 घंटे के व्यापक परीक्षण पर आधारित है और 1,25,000 से अधिक खुशहाल ग्राहकों के साथ महिंद्रा के अस्तबल का सबसे सफल उत्पाद है। महिंद्रा युवो टेक इ के लॉन्च के साथ, महिंद्रा ने तकनीक के मानक को और भी ऊपर उठा दिया है और आरंभिक चरण में तीन मॉडल्सो लॉन्चम करेगा - युवो टेक + 275 27.6 Kw-37 HP, युवो टेक + 405 29.1kW 39 HP और युवो टेक + 415 31.33kW - 42 HP।

इन उत्पादों को शुरू में उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और गुजरात में लॉन्च किया जाएगा। बाद के महीनों में समान मंच से दूसरे बाजारों में नई लॉन्चिंग होगी। लॉन्च के बारे में प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, महिंद्रा एंड महिंद्रा के प्रेसिडेंट - फार्म इक्विपमेंट सेक्टर, हेमंत सिक्का ने कहा, ''महिंद्रा में, हमारा ब्रांड 'खेती में बदलाव, जीवन में समृद्धि' का वादा करता है। नई उन्नत एमजिप इंजन तकनीक, ट्रांसमिशन एवं हाइड्रॉलिक्स तकनीक युवो टेक इ को इसके सेगमेंट का सबसे उन्न त ट्रैक्टर बनाती है। इसका उद्देश्य भारतीय कृषि भूमियों पर किसानों को सर्वोत्तम उत्पादकता, आराम, बचत और कमाई प्रदान करना है। 'टेक्नोयलॉजी में नं.1' के युवो टेक इ ब्रांड के वायदे के साथ, हमें विश्वातस है कि आकर्षक कीमत एवं 6 वर्ष की वारंटी वाले इस उत्पाद को ग्राहकों से शानदार प्रतिसाद मिलेगा।''

टोयोटा किर्लोस्कर ने इनोवा क्रिस्टा का सीमित संस्करण उतारा, कीमत 17.18 लाख रुपये से शुरू

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने मंगलवार को कहा कि उसने अपने बहुउद्देश्यीय वाहन (एमपीवी) इनोवा क्रिस्टा का सीमित संस्करण पेश किया है, जिसकी शोरूम कीमत 17.18 लाख रुपये से 20.35 लाख रुपये के बीच है। कार के पेट्रोल संस्करण की कीमत 17.18 लाख रुपये से 18.59 लाख रुपये के बीच है जबकि डीजल संस्करण की कीमत 18.99 लाख रुपये से 20.35 लाख रुपये के बीच है। यह सीमित संस्करण मॉडल मल्टी टेरेन मॉनिटर, हेड अप डिस्प्ले, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, वायरलेस चार्जर, डोर एज लाइटिंग और एयर आयनाइजर जैसी कई विशेषताओं के साथ पेश किया गया है। टीकेएम के एसोसिएट महाप्रबंधक (एजीएम), बिक्री एवं रणनीतिक विपणन, वी डब्ल्यू सिगामणि ने एक बयान में कहा, 'इनोवा बाजार में पेश किए जाने के बाद से निर्विवाद रूप से एमपीवी वर्ग में अग्रणी रही है, जिससे यह हमारे प्रमुख उत्पादों में से एक बन गयी है। यह हमारा निरंतर प्रयास रहा है कि हम अपने उत्पादों को लगातार बदलते रुझानों, आवाजाही की जरूरतों और ग्राहकों की प्राथमिकताओं के अनुरूप उन्नत करें।'

इन 3 वजहों से चीन की इकोनॉमी चरमराई

तीसरी तिमाही में 5% से भी कम GDP

चीन की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरेपटरी से उतर रही है। इस साल सितंबर तिमाही मेंचीन को अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर तगड़ा झटका लगा है। सितंबर तिमाही में चीन की आर्थिक विकास दर गिरकर 4.9 फीसदी पर पहुंच गई है।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की विकास दर सितंबर तिमाही में 4.9 फीसदी दर्ज की गई है। चालू वित्त-वर्ष में तिमाही दर तिमाही चीन की जीडीपी में भारी गिरावट आई है। दूसरी तिमाही में चीन की अर्थव्यवस्था 7.9 फीसदी की दर से बढ़ी थी। जबकि पहली तिमाही में आर्थिक विकास की दर शानदार 18.3 फीसद थी।

चीन की नेशनल ब्यूरो ऑफ स्टैटिस्टिक्स ने देश में वर्तमान आर्थिक हालात को 'अस्थिर और असमान' कहा है, लेकिन इसके पीछे घरेलू वजहों का हवाला दिया गया है। तीसरी तिमाही के आंकड़े सामने आए हैं। चीन की जीडीपी साल 2018 में 6.7 फीसदी, 2019 में 5.9 फीसदी, 2020 में 2.3 फीसदी और 2021 में 8.5 फीसदी रही थी। दरअसल, दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था की आर्थिक वृद्धि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में 5 फीसद के नीचे चली गई है। यह चीन के लिए चिंता का विषय है. इस दौरान कारखाना उत्पादन, खुदरा बिक्री, निर्माण और अन्य गतिविधियों में निवेश कमजोर पड़ा है। चीन के निर्माण क्षेत्र में लाखों लोगों को रोजगार मिला हुआ। इस क्षेत्र की वृद्धि काफी धीमी पड़ गई है।

चीन की इकोनॉमी मेंगिरावट की 3 बड़ी वजहें यह

पहली वजह: चीन की जीडीपी का करीब एक चौथाई हिस्सा रियल एस्टेट इंडस्ट्री से आता है। पिछले दिनों चीन की सरकार ने रियल एस्टेट कंपनियों के लिए एक नया कानून लागू किया, जिससे के बाद चीन में रियल स्टेट व्यापार लगातार संकट में घिरता जा रहा है। चीन की दिग्गज रियल स्टेट कंपनी 'एवरग्रांडे' के ऊपर 300 अरब डॉलर का कर्ज हो गया है। कंपनी तय तारीखों पर बॉन्ड भुगतान करने से चूक रही है। जानकारों का कहना है कि प्रॉपर्टी सेक्टर में निवेशकों की रूचि न सिर्फ कम हुई है बल्कि उन्हे इस सेक्टर में निवेश को लेकर डर भी लग रहा है।

दूसरी वजह: बिजली कटौती की वजह से सितंबर मेंचीन का विनिर्माण भी प्रभावित हुआ है। कोयले की कमी से पैदा हुए बिजली संकट के कारण उत्पादन कम हो रहा है जो चिंता का विषय है। दरअसल, इस साल के पहले 6 महीनों में चीन एनर्जी कंट्रोल का अपना लक्ष्य हासिल नहीं कर पाया। जिस वजह से बिजली सप्लाई में कटौती की जा रही है। बिजली नहीं आने से फैक्ट्रियां प्रभावित हो रही हैं। इससे बेरोजगारी भी बढ़ने की समस्या है। बिजली कटौती से कई इलाकों में बिजली घंटों तक नहीं आ रही है। इसकी वजह बिजली की बढ़ती मांग, कोयले की कमी और जलवायु परिवर्तन को लेकर प्रतिबद्धता पूरा करने का दबाव है।

तीसरी वजह- चीन में फिलहाल टेक और गेमिंग इंडस्ट्रीज भी संकट में है। एक नियम के तहत वीडियो गेम नियामक ने 18 साल से कम उम्र के बच्चों पर पाबंदी लगाई है, और उनके वीडियो गेम खेलने का वक्त सीमित कर दिया है। जिससेयह इंडस्ट्रीज प्रभावित हुई है। जानकारों का मानना है कि चीन में पिछले कुछ समय से ऐसे नीतिगत फैसले लिए जा रहे थे। जिससे चीन की विकास दर भारी प्रभावित किया है।

मेडिकल जगत की इस बड़ी सफलता से एन्टिफंगल धेरपी के मरीजों की लागत काफी कम होगी और उपयोगिता में वृद्धि होगी

अहमदाबाद। एजेंसी

विश्व की अग्रीम फार्मसूटिकल कंपनीओं में से एक, इन्टास फार्मसूटिकल कंपनी ने एन्टिफंगल थेरपी डोमेइन में एक प्रगतिशील सफलता पाई है। कंपनी ने इटास्पोर-एसबी फोर्ट सुबाविन ब्रान्डनेम के साथ विश्व की सर्व प्रथम सुपर बायोअवेलेबल इट्राकोनेझोल-एसबी 100एमजी लॉन्च की है। इस

दवाई को हाल ही में भारतीय रेम्युलेटरी ओधोरिटिझ द्वारा स्वीकृति दी गई है।

फंगल इन्फेक्शन का सामना करने के लिए परंपरागत इट्राकोनेझोल मेइनस्टे ड्रग के परिणामों में भारी फर्क पाया जाता है और दर्दीओं में कम उपयोग देखा जाता है क्योंकि इसके डोझ फूड, एसिडिक पेय, एन्टासिड्स के उपयोग आदि पर आधारित रहते हैं और सारवार की समग्र लागत भी महत्त्वपूर्ण मुद्दा रहती है। इटास्पोर एसबी फोर्ट/ सुबाविन से मरीजों में उपयोग बढ़ने के साथ डॉक्टर का कन्सल्टेशन समय भी कम होने की संभावना है। इससे डोझ आधा हो जाएगा। उपरांत, रोगी इसे भोजन साथ या विना, केवल पानी के साथ या फिझिश्यन की सिफारिश अनुसार ले सकते हैं धेरपी की लागत भी काफी कम हो जाती है।

प्रकाशित साहित्य और क्लिनिश्यन्स के अनुभव अनुसार, इट्राकोनेझोल मोलेक्युल में कम ब्लड ड्रग कोन्सन्ट्रेशन होता है, जिसे मौखिक रूप से लेने पर सलामती और कार्यक्षमता पर असर होती है। अलग अलग मरीज़ों में इन ब्लड लेवल्स में भारी अंतर पाया जाता है। उपरांत इसे पूर्ण फेटी भोजन तथा ऐसिडिक पेय के साथ लेने की सिफारिश के कारण दर्दीओं का अनुपालन कम होता है और इच्छित ब्लड ड्रग कोन्सन्ट्रेशन की समस्या बढ़ती है। अन्य एक मुद्दा, फंगल इन्फेक्शन के मरीज़ों के इलाज की लागत संबंधित है क्योंकि इलाज 3 से 8 सप्ताह तक चलता है।

इन्टास फार्मास्युटिकल्स के सिनियर वाइस प्रेसिडेन्ट और हेड - मेडिकल अफेर्स, डॉ. आलोक चतुर्वेदी ने कहा कि 25 वर्ष पुरानी ब्रान्ड इटास्पोर के तहत इन्टास का नया फोर्म्युलेशन सुपर बायो अवेलेबल (एसबी) टेक्नोलॉजी से फोर्म्युलेट किया गया है, जो एक इटास्पोर-एसबी फोर्ट कैप्सूल को 200 एमजी इट्राकोनेझोल की समकक्ष बनाता है।' मुंबई के सिनियर कन्सल्टन्ट डर्मेटोलॉजिस्ट, डॉ. आर. डी. खरकर ने कहा कि आधी ही दवाई, इन्टर पेशन्ट वेरिएबिलिटी नहीं, फूड या कोई बेवरेज के बिना, एन्टासिड के साथ भी लेने की सिफारिश करने की स्वतंत्रता जैसे सुपर बायोअवेलेबल (एसबी) टेक्नोलॉजी के फायदे और इसके साथ इलाज की कुल लागत में कटौती के कारण यह एक विन-विन स्थिति बनती दिखती है।'

जियो ने अगस्त में बनाए 6.49 लाख नए ग्राहक

एयरटेल और वोडाफोन आइडिया का क्या रहा हाल

नई दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

देश की सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी रिलायंस जियो ने अगस्त में 6.49 लाख नए मोबाइल ग्राहक जोड़े। इसके बाद भारती एयरटेल (Bharti Airtel) का स्थान रहा, जिसने 1.38 लाख नए कनेक्शन जोड़े। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (TRAI) के बुधवार को जारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। इसके उलट वोडाफोन आइडिया (Vodafone Idea) ने अगस्त में 8.33 लाख ग्राहक गंवाए, हालांकि उसका नुकसान जुलाई की तुलना में कम रहा।

जियो ने नए ग्राहक जोड़ने की रेस में प्रतिद्वंद्वियों को पछाड़ना जारी रखते हुए अगस्त में 6.49 लाख वायरलेस यूजर्स जोड़े। इसके साथ ही उसका मोबाइल ग्राहकों का बेस बढ़कर 44.38 करोड़ हो गया।

एयरटेल के अब कुल 35.41 करोड़ वायरलेस कनेक्शंस

सुनील मित्तल की अगुवाई वाली भारती एयरटेल ने महीने के दौरान 1.38 लाख ग्राहक जोड़े, जिससे उसके कुल वायरलेस कनेक्शंस की संख्या 35.41 करोड़ हो गई। ट्राई के आंकड़ों के अनुसार,

वोडाफोन आइडिया ने अगस्त में 8.33 लाख मोबाइल कनेक्शन गंवाए और इसके साथ उसके वायरलेस ग्राहकों की संख्या घटकर 27.1 करोड़ रह गई। जुलाई के आंकड़ों से तुलना करें तो संकटग्रस्त कंपनी ने अपने ग्राहकों के नुकसान को एक हद तक कम कर लिया है। जुलाई में उसने 14.3 लाख ग्राहक गंवाए थे।

रिलायंस रिटेल ने रितु कुमार की कंपनी रितिका में 52 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नयी दिल्ली। एजेंसी

रिलायंस रिटेल वेंचर्स लि. (आरआरवीएल) ने फैशन डिजाइनर रितु कुमार की कंपनी रितिका प्राइवेट लि. में 52 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। इस सौदे की राशि का खुलासा नहीं किया गया है। मंगलवार को जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया, "आरआरवीएल ने रितिका प्राइवेट लि. में बहुलांश हिस्सेदारी का अधिग्रहण किया है। इसमें कंपनी में एवरस्टोन की पूरी 35 प्रतिशत की हिस्सेदारी शामिल है।" एवरस्टोन वैश्विक इक्विटी कंपनी है। रितु कुमार के कारोबार में चार फैशन ब्रांड पोर्टफोलियो....लेबल रितु कुमार, द थर्ड रितु कुमार, आर्के और रितु कमार होम एंड लिविंग शामिल हैं।" इससे पहले पिछले सप्ताह रिलायंस ब्रैंड्स लि. (आरबीएल) ने कहा था कि चर्चित फैशन डिजाइनर मनीष मल्होत्रा की एमएम स्टाइल्स प्राइवेट लि.में 40 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुन: प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी प्रकार के लेख या विज्ञापन से किसी भी संस्थान की सिफारिश या समर्थन नहीं करता है। पाठक किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।